



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० ४ नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी २६, १९८० (माघ ६, १९०१)
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 26, 1980 (MAGHA 6, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	91	किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	159
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	87	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	20
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	3	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	59
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	111	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	861
भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खण्ड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	33
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	11
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निहायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	749
		भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	11

CONTENTS

PART I—SECTION 1.— Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 91	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 159
PART I—SECTION 2.— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	87	PART II—SECTION 3.— SUB.SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	203
PART I—SECTION 3.— Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	3	PART II—SECTION 4.— Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	59
PART I—SECTION 4.— Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	111	PART III—SECTION 1.— Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	861
PART II—SECTION 1.— Act, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2.— Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	33
PART II—SECTION 2.— Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3.— Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	11
PART II—SECTION 3.— SUB. SEC. (I).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4.— Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	749
		PART IV— Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	11

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० 9-प्रेज/80—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री वजेंसिंग कालुबावा राणा,
निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बड़ीवा सिटि, ||
गुजरात।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

25 जुलाई, 1978 को बड़ीवा शहर के निशस्त्र कांस्टेबल श्री वजेंसिंग कालुबावा राणा को सूचना मिली कि अभ्यस्त और कुख्यात सैधमार चोर, चन्दु ईश्वर, सत्यनारायण हनवा कैहर, दिलीप गनपत और अन्य तुलसीवादी क्षेत्र में छिपे हुए हैं। बिना समय खोये दो और कांस्टेबलों को साथ लेकर श्री राणा 5 बजे तुलसीवादी क्षेत्र में पहुँचे और जाँच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे लेकिन श्री राणा ने उन्हें अपने स्थान से न हिलने की चेतावनी दी। संदिग्ध व्यक्तियों ने तब श्री राणा को घेर कर उनके साथियों से अलग कर दिया और बख निकलने का प्रयत्न किया। श्री राणा ने उनका पीछा करना शुरू किया लेकिन सत्यनारायण हनवा कैहर ने चुपके से एक रामपुरी आकू निकाला और उसे चार-पाँच बार श्री राणा के पेट में घोंपा। अपराधी फिर भाग गए लेकिन बाव में उनमें से चार को पुलिस न पकड़ लिया। श्री राणा को अस्पताल ले जाया गया। लम्बे इलाज के बाद वे स्वस्थ हुए।

इस मुठभेड़ में श्री वजेंसिंग कालुबावा राणा ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए अनुकरणीय साहस, वीरता और कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 25 जुलाई, 1978 से दिया जाएगा।

सं० 10-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री सूरज प्रसाद पांडेय,
पुलिस उप-निरीक्षक,
देवरिया,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

2 अप्रैल, 1976 को लगभग 19.00 बजे उप-निरीक्षक सूरज प्रसाद पांडेय को सूचना मिली कि डाकू तारा का गिरोह जिला देवरिया के गांव मुरार छप्पर में डा० बंसराज के मकान में डकैती डालने वाला है। श्री पांडेय ने थाने में उपलब्ध पुलिस दल को तुरन्त एकत्रित किया। कुछ स्थानीय बन्दूक लाइसेंसधारियों की भी सहायता ली। फिर श्री पांडेय गांव मुरार छप्पर की तरफ बढ़े और स्थिति का जायजा लेने के बाव पुलिस दल को विभाजित किया और उन्हें यथा स्थान तैनात कर दिया। लगभग 22.00 बजे 11 डाकू एकत्र हुए। श्री पांडेय ने डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा और क्षेत्र में रोशनी करने के लिए अपनी बेरी लाईड पिस्तौल से कई रौंद भी चलाए। चेतावनी की परवाह न करते हुए डाकुओं ने पुलिस दल पर गोलियां चलाई। श्री पांडेय घायल हो गये किन्तु अपनी चोटों की परवाह न करते हुए उन्होंने अपने साथियों को डाकुओं पर गोली चलाने का आदेश दिया। इस दृढ़ कार्यवाही के फलस्वरूप गिरोह के नेता, तारा समेत तीन डाकू मारे गये। शेष बच निकले। एक डी० बी० बी० एल० बन्दूक 3 देसी पिस्तौल, एक हथगोला और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया। मुठभेड़ के दौरान श्री पांडेय के शरीर के विभिन्न अंगों पर 19 छरें लगे।

इस मुठभेड़ में श्री सूरज प्रसाद पांडेय ने उत्कृष्ट वीरता, साहस, पहल शक्ति एवं कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 अप्रैल, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 11-प्रेज/80—राष्ट्रपति गुजरात के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री शिवशंकर मनीलाल दूधवाला,
निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बी० संख्या 1087, सूरत,
गुजरात।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

28 अगस्त, 1978 को लगभग 12.45 बजे दो संदिग्ध व्यक्ति बम्बई हाऊस अपार्टमेंट, सूरत में घुस गए और फ्लैट नं० 805 का कुण्डा तोड़ दिया तथा फ्लैट नं० 806 का ताला भी खोल दिया। इसी दौरान दूसरे फ्लैट का मालिक आ गया और उसने संदिग्धों में से एक को पकड़ लिया किन्तु दूसरे ने पिस्तौल दिखा कर अपने साथी को छोड़ा लिया और भाग गये। अपार्टमेंट के लिफ्टमैन ने संदिग्धों को ललकारा और उनका पीछा भी किया किन्तु उनमें से एक ने उस पर गोली चला दी। जनता भी अपार्टमेंट के निकट एकाग्र हो गई किन्तु संदिग्ध बच निकलने में सफल हो गए। 11 नवम्बर, 1978 को जब श्री शिवशंकर मनीलाल दूधवाला सूरत में सालाबतपुरा क्षेत्र में समन तामील करने के लिए जा रहे तो उन्होंने उक्त फरार संदिग्धों में से एक को देखा। संदिग्ध ने अपनी पिस्तौल श्री शिवशंकर मनीलाल की तरफ तान दी किन्तु वे विचलित नहीं हुए और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए उन्होंने उसे दबोच लिया और उस पर काबू पा लिया।

इस कार्रवाई में श्री शिवशंकर मनीलाल दूधवाला ने संदिग्ध को पकड़ने में उत्कृष्ट वीरता और साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 नवम्बर, 1978 से दिया जाएगा।

सं० 12-प्रेज/80—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद
श्री के० के० मुकुन्दन,
कांस्टेबल संख्या 710570947,
22वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल।

श्री गुरचरण सिंह,
कांस्टेबल संख्या 670223627,
22वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

23 मई, 1979 को हार्ड कोर मिजो नेशनल फ्रंट के 21 विचारणाधीन कैदियों को एजल न्यायालय की जेल की गाड़ी में ले जाया जा रहा था। पूर्वाह्न लगभग 11.15 बजे जब देवरपुरी गिरजाघर के समीप बड़ा बाजार में मोड़ पार करने के लिए गाड़ी को धीमा किया गया तो मिजो भाषा में पूर्व-निश्चित संकेत पर सभी विचारणाधीन कैदियों ने अनुरक्षी दल के लोगों की आंखों में लाल-मिर्च का चूरा फेंक कर उन्हें अस्थायी रूप से निष्क्रिय कर दिया। विचारणाधीन कैदियों ने कांस्टेबलों में से दो को कैदी कक्ष में घसीट लिया और उनकी भारी हुई राइफल्स छीन लीं। वे अनुरक्षी दल के सदस्यों पर गोली चलाने लगे जिसके फलस्वरूप मिजोरम पुलिस के एक कांस्टेबल की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई और केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के चार सिपाही गम्भीर रूप से जखमी हो गये। कांस्टेबल के० के० मुकुन्दन और गुरचरण सिंह अपने जीवन के सन्निकट खतरे की परवाह न करते हुए, गाड़ी से बाहर कूद पड़े और मोर्चा संभाला। सिपाही मिलखा सिंह पुलिस/जेल प्राधिकारियों को तुरन्त सूचित करने के लिए गया। श्री मुकुन्दन और श्री गुरचरण सिंह ने विचारणाधीन कैदियों पर नियंत्रित ढंग से गोली चलाई ताकि इससे उनके अपने ही साथी मारे न जायें। केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के दो कर्मचारियों ने विचारणाधीन कैदियों को तब तक गोलीबारी में व्यस्त रखा जब तक कि कुमुक न पहुंच गई। विचारणाधीन कैदियों को निरस्त्र करके उनको दुबारा हिरासत में ले लिया गया।

इस कार्रवाई में श्री के० के० मुकुन्दन और श्री गुरचरण सिंह दोनों कांस्टेबलों ने अपने जीवन को खतरे में डालकर उच्च कोटि के साहस, प्रशंसनीय सूझ-बूझ, कर्तव्य परायणता एवं वीरता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 मई, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 13-प्रेज/80—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री फतेसिंह भूपतजी परमार, (स्वर्गीय)
निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बी० संख्या 3988, अहमदाबाद सिटी,
गुजरात।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

2/3 मार्च, 1979 की रात्रि को निशस्त्र पुलिस कांस्टेबल श्री फतेसिंह भूपतजी परमार दो अन्य कांस्टेबलों के साथ बाईसिकिलों पर अपने इलाके में गश्त लगा रहे थे। रात को 1.30 बजे गोपालकुंज सोसाईटी के नजदीक पहुंचे तो उन्होंने

तीन व्यक्तियों को दो साइकिलों पर दूसरी तरफ से आता हुआ देखा। उन्हें जब सलकारा गया तो वे भाग खड़े हुए। पुलिस कांस्टेबलों ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। तीनों व्यक्तियों को घातक हथियारों से लेस पाया गया। लेकिन इसकी परवाह न करते हुए तीनों पुलिस कांस्टेबल अपराधियों से जुसते रहे। इसी बीच उनमें से एक नामी अपराधी, जीतेन्द्रसिंह किशनसिंह, जो पहले पांच बार सजा पा चुका था, ने एक रामपुरी चाकू निकाला और उसे कांस्टेबल फतेसिंह भूपतजी के सीने में धोप दिया तथा अन्य दो कांस्टेबलों को भी जखमी कर दिया। तीनों कांस्टेबल अपने जख्मों की परवाह न करते हुए सशस्त्र अपराधियों के साथ संघर्ष करते रहे और उनको काबू में कर लिया। श्री फतेसिंह भूपतजी परमार ने सशस्त्र नामी अपराधियों को पकड़ने में प्रशंसनीय कार्य किया। अपराधियों को गिरफ्तार करने के बाद फतेसिंह भूपतजी जमीन पर गिर पड़े क्योंकि उनके घावों से अत्यधिक रक्त बह गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहाँ चोटों के कारण वे वीर गति को प्राप्त हो गये।

इस कार्रवाई में श्री फतेसिंह भूपतजी परमार ने उत्कृष्ट वीरता, साहस का परिचय दिया और कर्तव्य की वेदी पर अपने जीवन को बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 मार्च, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 14-प्रेज/80—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री सतपाल सिंह,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
(अब पुलिस उप-निरीक्षक),
केन्द्रीय जिला विशेष दस्ता,
दिल्ली।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

5 मार्च, 1979 को दिल्ली के केन्द्रीय विशेष दस्ते को सूचना दी गई कि कुछ कुख्यात अपराधी 25,000 रुपये फिरोती के रूप में मांग रहे हैं और नई दिल्ली के संबंधित व्यक्ति साऊथ एक्सटेंशन में मोती महल डिलक्स रेस्टोरेण्ट में 10,000 रुपये देने के लिये सहमत हो गया है। श्री ओम दत्त निरीक्षक के प्रभार में एक छापामार दल अपराधियों को पकड़ने के लिए भेजा गया। सांय लगभग 7.00 बजे एक अपराधी दो पहिये के एक स्कूटर पर आया और व्यक्ति विशेष से फिरोती की राशि देने के लिये कहा। उस व्यक्ति ने छापामार दल को संकेत किया और अपराधी को पकड़ लिया गया। उसके द्वारा दी गई सूचना के आधार पर छापामार दल के प्रभारी निरीक्षक ग्रेटर कैलाश गये जहाँ कि

अन्य अपराधियों के छिपे होने की आशंका थी। उन्होंने श्री ज्ञान चन्द पुलिस निरीक्षक और श्री सतपाल सिंह पुलिस सहायक उप-निरीक्षक को दो हँड कांस्टेबलों के साथ वहाँ पर छोड़ दिया। लगभग 20 मिनट पश्चात् दूसरा अपराधी रेस्टोरेण्ट में आया और लोगों से पूछा कि चरण सिंह को पुलिस ले गई है। यह सुनने पर, श्री ज्ञान चन्द, निरीक्षक और हँड कांस्टेबल ने नवागन्तुक को पकड़ लिया बाद में जिसे नागरा शिनाख्त किया गया जो एक कुख्यात ठग था। पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर, नागरा ने अपने साथियों को, जो बाहर एक कार में बैठे हुए थे, आवाज लगाई कि वे पुलिस दल पर गोलियाँ चलायें क्योंकि उसको भी पकड़ा लिया गया है। तब एक व्यक्ति कार से बाहर आया और 303 राइफल से रेस्टोरेण्ट की ओर अंधाधुंध गोली चलाने लगा। खतरे की आशंका होने पर निरीक्षक ज्ञान चन्द और हँड कांस्टेबल जगतार सिंह श्री सतपाल को वहाँ अकेले छोड़कर अपराधी को रेस्टोरेण्ट के अन्दर ले गये। श्री सतपाल सिंह ने जो एक कार में बैठे हुए थे, डाइवर से उस कार की उस कार के साथ खड़ी करने के लिए कहा जिसमें दूसरे तीन अपराधी बैठे थे और अपने साथियों को छुड़ाने के लिए एकत्रित भीड़ तथा आसपास की इमारतों पर अंधाधुंध गोलियाँ चला रहे थे। अपनी कार अपराधियों की कार के निकट खड़ी करने के पश्चात् श्री सतपाल सिंह ने अपराधियों से आत्म-समर्पण करने के लिये कहा। फिर भी अपराधियों ने श्री सतपाल सिंह पर गोली चलानी शुरू कर दी। गोलियाँ कार की खिड़की के शीशे में लगी और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। तत्पश्चात् अपराधियों में से एक जो रेस्टोरेण्ट की ओर गोली चला रहा था, कार में जा बैठा और श्री सतपाल सिंह पर गोली चलाने लगा। श्री सतपाल सिंह विचलित नहीं हुए और उन्होंने अपनी रिवाल्वर से तीन राँद चलाये। इसके बाद उन्होंने कार के पीछे मोर्चा संभाला और अपने लिए खतरे की परवाह किये बिना और तीन राँद चलाये। श्री सतपाल सिंह ने फिर अपनी स्थिति को बदला और एक निकटवर्ती इमारत के एक खम्बे के पीछे मोर्चा संभाला और उन्हें ललकारा। अपराधियों में से एक पुनः कार से बाहर आया और गोली चलाने लगा। इस बीच अपराधियों में से नागरा नामक अपराधी जिसको पुलिस ने पकड़ रखा था, अपने को छुड़ाकर कार में आ बैठा। तब अपराधियों को लेकर कार भाग गई। श्री सतपाल सिंह ने अपराधियों की कार का पीछा किया और भागती हुई कार पर गोलियाँ चलाई। श्री सतपाल सिंह रिंग रोड़-महरोली-रोड़ चौराहे तक कार का पीछा करते रहे किन्तु गाड़ियों की भीड़-भाड़ और अंधेरे के कारण कार बच निकली। अगली सुबह इस घटना से संबंधित अपराधियों में से एक अपराधी राजबीर सिंह का शव गांव चिराग-दिल्ली के निकट छोड़ी गई कार से बरामद किया गया।

कुख्यात अपराधियों के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस सहायक उप-निरीक्षक सतपाल सिंह ने अपने जीवन को खतरे में

डालकर उत्कृष्ट वीरता, पहल-शक्ति एवं उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 मार्च, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 15-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री आर० एन० पान्डेय (स्वर्गीय)

पुलिस उप-अधीक्षक

एटा,

उत्तर प्रदेश।

श्री मोहन लाल गौतम (स्वर्गीय)

हैड कांस्टेबल सं० 13,

मिविल पुलिस,

जिला एटा,

उत्तर प्रदेश।

श्री राम दास, (स्वर्गीय)

कांस्टेबल,

81, मणस्त्र पुलिस,

जिला बदायूं,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

9 जनवरी, 1978 को प्रातः एटा जिला में सिकन्दर-पुर बैंग पुलिस मकिल में कादरगंज बाह्य पुलिस चौकी के प्रभारी श्री मोहन लाल गौतम को सूचना मिली कि उर्कत भगवान सिंह काछी ने जिसकी उर्कती और हत्या के कई मामलों में तलाश है तीन डाके डाले हैं, दो 8/9 जनवरी, 1978 की रात को और एक गंगाघाट पर 9 जनवरी को प्रातः लगभग 6 बजे। श्री गौतम ने उपपन्थ पुलिस दल और उस क्षेत्र के कुछ लाईसेन्सधारियों को एकत्र किया और घुरन्त गंगाघाट को गए। साथ ही उन्होंने एटा के पुलिस अधीक्षक को भी सूचना भेज दी। लेकिन श्री गौतम के पहुंचने से पहले ही उर्कतों का गिरोह गंगा नदी को पार कर जिला बदायूं में प्रवेश कर चुका था। श्री मोहन लाल गौतम ने अपने आवसियों के साथ पीछा करने के लिए नदी को पार किया। पुलिस दल का डाकू गिरोह के साथ गंगा नदी के "कातरी" में सामना हुआ जहां पुलिस और आतताईयों के बीच गोलीबारी हुई। डाकुओं ने अपने को दो दलों में विभाजित किया और एक दल ने गंगा नदी को पार करके पुनः एटा जिला में प्रवेश किया जबकि मणस्त्र पुलिस गाँव के श्री राम दास ने दूसरे दल का पीछा किया। बदायूं की तरफ बचकर भागने वाला गिरोह नगला पछौरी ग्राम के नजदीक गन्ने के खेत में घुम गया। कांस्टेबल राम दास के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने ग्रामीणों की मदद से खेत को घेर लिया और डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए कहा। परन्तु उर्कतों ने पुलिस दल

गोलियां चलाती शुरू कर दी। गोलीबारी में श्री राम दास आगे बढ़े और एक डाकू को अपनी गोली से मार डाला। उसके बाद कुछ देर के लिए डाकुओं की तरफ से गोलीबारी रुक गई। श्री राम दास और पुलिस दल के बीच अन्य समस्याओं ने डाकुओं को ललकारा और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए वे गन्ने के खेत की ओर बढ़े और इसके साथ ही डाकुओं को आत्म समर्पण करने के लिए कहा। उन्होंने डाकुओं की उपस्थिति का पता लगाया और जब वे उन पर गोली चलाने ही वाले थे, डाकुओं द्वारा चलाई गई गोली के परिणाम स्वरूप उनकी मृत्यु हो गई। इसी दौरान पुलिस उप अधीक्षक श्री आर० एन० पान्डेय के नेतृत्व में बदायूं जिले के नगला पछौरी ग्राम में कुमुक पहुंच गयी। यह महसूस किया गया था कि श्री राम दास शायद अभी तक जीवित हों, श्री आर० एन० पान्डेय जो कि कुमुक का नेतृत्व कर रहे थे कांस्टेबल राम दास और उनकी राईफल को लेने के लिए गन्ने के खेत में घुसे। श्री पान्डेय, कांस्टेबल राम दास तक पहुंचने में सफल हो गये लेकिन उन्होंने उन्हें मत पाया। वे रामदास के शव को उनकी राईफल सहित गन्ने के खेत से बाहर लाए। श्री पान्डेय उपपन्थ पुलिस दल के साथ डाकुओं को पकड़ने के लिए पुनः गन्ने के खेत में गये। श्री पान्डेय ने उन्हें ललकारा, जिन्होंने पुलिस दल पर अंधा-धुन्ध गोलियां चलाना शुरू कर दिया। श्री पान्डेय को एक गोली लगी और वे घटनास्थल पर ही धराशाही हो गये। एक डाकू पकड़ा गया। इसी दौरान हैड कांस्टेबल मोहन लाल गौतम ने जो कि डाकुओं का पीछा कर रहे थे, गंगा नदी को पार करके पुलिस दल को दो भागों में विभाजित कर दिया, जिनमें से श्री गौतम के नेतृत्व वाले दल ने दक्षिण से डाकुओं का पीछा किया और दूसरे ने उत्तर की ओर से उनका पीछा किया। वे बामनपुरा ग्राम के नजदीक डाकुओं तक पहुंच गए और उन्हें ललकारा। श्री गौतम ने डाकुओं को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन डाकू पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। गोलीबारी के दौरान श्री गौतम ने कई बार अपने आपको गम्भीर खतरे में डाला उन्हें कई बार गोलियां लगी जिसके कारण लगभग 12 बजे वे गिर पड़े और घटनास्थल पर ही वीरगति को प्राप्त हो गए। डाकू भाग खड़े हुए लेकिन बाद में उनमें से दो पकड़े गए।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री आर० एन० पान्डेय, पुलिस उप-अधीक्षक, मोहन लाल गौतम, हैड कांस्टेबल, राम दास, कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस, पहल-शक्ति और कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 9 जनवरी, 1978 से दिया जाएगा।

के० सी० माध्या
राष्ट्रपति के सचिव

चित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

संकल्प

फा० सं० ए०-11013/194/79 प्रशा० 4—दिनांक 28-9-1978 के संकल्प सं० ए०-11013/181/77-प्रशा० 4 के पैराग्राफ 4, संकल्प सं० ए०-11013/181/77-प्रशा० 4 दिनांक 26 मार्च 1979 तथा संकल्प सं० ए०-11013/181/77-प्रशा० 4 दिनांक 23 अगस्त 1979 में निहित आदेशों में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने सीमा पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में छूट देने सम्बन्धी योजना (पुनरीक्षण) समिति की अपनी रिपोर्टें मार्च 1980 तक पेश करने का समय दे दिया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाये और इसे सामान्य जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

रवि दत्त शर्मा,
अवर सचिव।

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1979

ई० 14013/1/77-एफ० प्रार०—भारत सरकार ने 30 नवम्बर, 1979 के अध्यादेश से "सुरत गढ़ फार्म निवेश मूल्यांकन समिति" को समाप्त करने का निर्णय लिया है। यह समिति इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 11-33/68-एफ० प्रार० (खण्ड 2) दिनांक 31 जुलाई, 1976 के द्वारा गठित की गई थी। इस समिति ने दिनांक 21-11-79 को अपनी रिपोर्टें सरकार को प्रस्तुत कर दी हैं।

एम० डी० अस्थाना, उप सचिव।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1980

नियम

सं० 79/ई० (जी० प्रार०)/1/7—आंशिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अर्पणों के रूप में नियुक्ति के लिये उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1980 में की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किये जाने वाले नोटिस में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अधिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति सूचियाँ (संशोधन) आदेश, 1956, अन्तर्गत पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश

राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, (द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959, अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (बाबर और नागर हवेली) (अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (बाबर और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान (पाँचिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, संविधान (गोधा, वसन और दियु) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियाँ आदेश 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

4. उम्मीदवार के लिये आवश्यक होगा कि वह या तो:—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिये या

(ख) नेपाल की प्रजा या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका देशों से या आबिया मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिये।

ऐसे उम्मीदवार को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसकी नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5(क) उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उनकी आयु 1 जनवरी, 1980 को 16 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म जनवरी 2, 1960 से पहले और 1 जनवरी, 1964 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में ढील दी जा सकेगी:—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति, का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 26 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवेश किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो

- और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि उम्मीदवार बर्मा से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से सम्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (viii) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कर्मियों के लिये जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित भाषिण जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (x) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा दल के रक्षा कर्मियों के लिये, अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (xi) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा दल के उस रक्षा कर्मियों के लिये, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
6. उम्मीदवार ने--
- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडियेट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।
- (ख) स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत हायर सेकेंडरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम और या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या
- (ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (पाम के कायेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोव्रति के लिये तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो, जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।
- जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो, या
- (घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या
- (ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यताप्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष बाद ली गई हो, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या
- (च) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतम माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।
- जिन उम्मीदवारों ने पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो वे भी आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या
- (छ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।
- नोट (i) जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा इंटरमीडियेट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी नहीं दी गई हो उन्हें भी औपचारिक दृष्टि से पास समझा जायेगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तप्रकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।
- नोट (ii) कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र भेज सकता है। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जायेगा, लेकिन उसके प्रवेश को अन्तिम समझा जायेगा और यदि वह उस परीक्षा का पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 5 सितम्बर, 1980 तक पेश नहीं करता, तो उस के प्रवेश को रद्द कर दिया जायेगा।

नोट (iii) प्राथमिक सामग्री में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएँ हो, जिनके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

7. उम्मीदवार के लिये आवश्यक होगा कि वह आयोग की सूचना के पैरा 5 में विनिर्दिष्ट फीस दें।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैकिक वर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैमियन से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैमियन से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिचयन (अण्डर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिये कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कवाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या।
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जासी प्रलेख या फेर बदल किये गए प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अप्रसील भाषा या अप्रसन्न आशय की हों, या;
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या;
- (x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक शक्ति प्रदर्शित की हो; या
- (xi) उपर्युक्त धारणाओं में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवप्रेरित करने, जैसा भी मामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध अपराधिक अभियोग चलाये जाने के प्रतिरक्त निम्नलिखित कार्रवाई भी की जा सकती है:—

- (क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिये, जिसका वह उम्मीदवार है अर्हक घोषित किया जा सकता है; या
- (ख) उसे स्थाई रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिये निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है:—

- (1) आयोग द्वारा स्वआयोजित परीक्षा या सेशन से;
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, अपने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविवेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तिगत परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिये बुलायेगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिये बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गये कुल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनायेगा और उसी क्रम में उन उम्मीदवारों को जिन्हें आयोग परीक्षा में अर्हक समझे, उनकी आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिये सिफारिश की जायेगी, जितनी रिक्तियों को परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित जितनी रिक्तियाँ सामान्य स्तर के आधार पर भरने में रह जायें, उन्हें भरने के लिये आयोग, सामान्य स्तर को प्राथिण करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है, अपने ही परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार उसका स्थान कहीं भी हो बशर्ते वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भेजा जाये, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं भिन्न जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात से सन्तुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है।

16. उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि वह मानसिक और शारीरिक दृष्टि से पूर्णतया स्वस्थ हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके कारण सेवा के अधिकारी के नाते उसके कर्तव्य पालन में बाधा पड़ने की संभावना हो। जो उम्मीदवार ऐसी डाक्टर की परीक्षा के बाद जैसी कि सरकार या नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी जैसी स्थिति हो, विनिर्दिष्ट करे इन आवश्यक बातों को पूरा नहीं करता, उसे नियुक्त नहीं किया जायेगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर की परीक्षा की जायेगी जिनकी नियुक्ति के बारे में विश्वास होने की संभावना है। डाक्टर की परीक्षा के समय उम्मीदवारों को संबंधित चिकित्सा मण्डल को 16 रुपये फीस देनी होगी।

नोट:—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निगरानी न हो, इसके लिये उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टर की परीक्षा होगी और उसमें उनमें किस स्तर की अपेक्षा की जायेगी, इसका ब्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट II में दिया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों और 1971 के हिन्दू पाक युद्ध के दौरान अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के सम्बन्ध में, प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन स्तरों में छूट दी जायेगी।

17. कोई भी व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो,

सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है और ऐसा करने के श्रेय कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किये गये विशेष श्रेणी अभ्यर्थियों के लिये अभ्यर्थियों की शर्तें परिशिष्ट III में दी गई हैं। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट IV में दिये गये हैं।

के० बालाचन्द्रन
मन्त्रि, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट I

(देखिये नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जायेगी --
भाग I--नीचे दशयि गये विषयों में 700 अंकों की लिखित परीक्षा।
भाग II--व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिये नियम 12)।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :-

क्रम सं०	विषय	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1.	अंग्रेजी	2 घंटे	100
2.	सामान्य विज्ञान	2 घंटे	100
3.	भौतिकी	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान	2 घंटे	100
5.	गणित I (बीज गणित, प्रारंभिक विस्तारकलन, त्रिकोणमिति और विभेदनात्मक ज्यामिति)	2 घंटे	100
6.	गणित II (कलन, अवकलन तथा समाकल और यांत्रिकी स्थैतिकी तथा गतिकी)	2 घंटे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	1 घंटा	100
	योग		700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "वस्तुपूरक" प्रश्न होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए परिशिष्ट V पर उम्मीदवार "सूचना पुस्तिका" देखें।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो केवल साप व तीन की मैट्रिक प्रणाली से संबंध प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हाथत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. प्रायोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

अनुसूची

अंग्रेजी--प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार की अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्नों के उत्तरों का स्तर उम स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास, पोषे और पशु, वशागत और परिवेश आनु-वंशिकी प्रकोष्ठ, क्रोमोसोम उत्पत्ति।

मान शरीर की जानकारी--पोषाहार, संतुलित भोजन, प्रविस्थायी खाद्य। महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम सहित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोकथाम खाद्य अपशिष्ट, खाद्यान्नों और उनसे निर्मित उत्पादों को गरीब प्रकार से स्टोर करना तथा परिरक्षण। जन संख्या विस्फोट, जनसंख्या नियंत्रण खाद्य और कृषि सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रजनन, कुत्रिम गर्भाधान, खाद और उर्वरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्में और हरित क्रांति, भारत के मुख्य आनाज और तकरी फसल।

सीर परिवार और पृथ्वी। जलवायु, मौसम। भूमि--इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट ज्वालामुखी, भूकम्प, ज्वालामुखी उद्गार, पर्वत और नदियाँ और भारत में निचाई के लिए उनका उपयोग। प्राकृतिक साधनों का वितरण और भारत में उपयोग। तेल सहित भूगत खनिजों की खोज। भारत के वनस्पति जात और प्राणिजात के विशेष संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधनों विनियम।

भारत का इतिहास, राजनीति और समाज

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मोर्य, शुंग, आंध्र, कुषाण, गुप्त काल (मौर्य कालीन स्तम्भ, स्तूप, कंदराएँ, मंची मथुरा और गंधर्व विद्यालय, मंदिर वास्तुकला, धर्मशास्त्र और एलोरा) इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद से पूंजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संग्राम।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ--लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख राजनैतिक विचारधाराएँ--लोकतन्त्र, समाजवाद, साम्यवाद, और अहिंसा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनैतिक दल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेस, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता--शस्त्र निर्माण होड़, शक्ति संतुलन। विश्व संगठन--राजनैतिक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और सांस्कृतिक कार्य कला सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ--जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तन और वृष्टिकोण। अल्पसंख्यक सामाजिक संस्था विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, महकारिता टकराव और प्रतियोगिता सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और सजा, कला, कानून, रीतिरिवाज, गलत प्रचार, लोकमत सामाजिक नियंत्रण की एजेंडियाँ--परिवार, धर्म, राज्य शैक्षिक संस्थाएँ सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकी जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन ।

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में अष्टाचार, युवक अशांति, शोष मांगता, शोषण अपराधवृत्ति और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी ।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण और श्रम कल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण ।

धन कराधान, मूल्य जनशिक्षणीय, दुष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर-आर्थिक कारण; संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास --स्फीति और गांधीन जुटाने से संबद्ध मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं; भारत की पंचवर्षीय योजनाएं ।

भौतिकी

वनियर, स्कूजेज, स्कीरोमीटर और आस्टीकल लीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई का माप ।

समय और द्रव्यमान की माप ।

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण की बीच संबंध । न्यूटन के गति के नियम : संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति ।

घर्षण गुणांक

बल क्रिया के अन्तर्गत पिंडों का संतुलन । बल का आधुनिक; युगवत । न्यूटन का शुक्लकार्पण सिद्धान्त । पलायन वेग । गुरुत्व के कारण त्वरण ।

द्रव्यमान तथा भार । गुरुत्वकेंद्र । एकसमान चक्रीय गति । अभिकेंद्र बल । सरल आवर्त गति । सरल लोलक ।

द्रव में दबाव और इसकी विभिन्न गहराई । पास्कल का नियम । आर्किमिडीज का सिद्धान्त । तैरने वाले पिंड । परिवेशी दबाव और इसकी माप ।

तापमान और इसकी माप । तापीय प्रसार । गैस नियम और परम ताप । विशिष्ट ऊष्मा । गुप्त ऊष्मा और उसकी माप । गैसों की विशिष्ट ऊष्मा । ऊष्मा का यांत्रिक समकक्ष । आंतरिक ऊर्जा और ऊष्मागतिकी का पहला नियम । समतापी और रुद्धोष्म परिवर्तन ।

ऊष्मा संचरण : तापीय चालकता ।

तरंग-गति अनुदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगें । प्रगामी और अप्रगामी तरंगें । गैस में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता । अनुनाद परिघटना (बायु स्तंभ और रज्जु) ।

प्रकाश का परावर्तन और आवर्तन । वक्र वर्णों और लैसों द्वारा बिखर रचना । सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (वृष्टि दोष) ।

प्रिज्म:--विचलन और प्रकीर्णन । न्यूनतम विचलन । वृष्य स्पेक्ट्रम ।

चुम्बक का क्षेत्र । चुम्बकीय आघूर्ण । भूचुम्बकीय क्षेत्र के तत्व ।

चुम्बकत्वमापी । डाय, पैरा और फेरो चुम्बकत्व ।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव: कोलम्ब नियम ।

विद्युत धारा --विद्युत सेल, ई० एम० एफ० प्रतिरोध : एमीटर और वोल्टमीटर । ओहम का नियम : श्रेणी और समानान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता । धारा का तापन प्रभाव ।

व्हीस्टोन ब्रिज, विभवमापी ।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव : सीधे तार, कुंडली और रोलिनायड--विद्युत, चुम्बक : विद्युत घंटी ।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल : चल कुंडलीधारा मापी : एमीटर या वोल्टमीटर में परिवर्तन ।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज से और उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन के नियम ।

विद्युत व चुम्बकीय, प्रेरणा; सरल ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र । ट्रांसफार्मर, अपघटन कुंडली ।

कथोड किरणों, इलेक्ट्रॉन की खोज, परमाणु का बोहर मॉडल ।

आयोड और परिणामक के रूप में इनके उपयोग ।

एक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग ।

विघटनात्मकता --ऐल्फा, बीटा और गामा किरणें ।

नाभिकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन : द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया ।

रसायन विज्ञान

भौतिक रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, पक्षेप में पूर्व माडल । त्रिविध माडल के रूप में परमाणु । कक्षीय परिसंकल्पना । क्वांटम, संख्या और उनकी विशेषता; केवल आरम्भिक । अभिक्रिया । पाली का अपवर्जन सिद्धान्त । इलेक्ट्रॉनिक विन्यास । आर्कडू सिद्धान्त एम० पी० डी० और एफ० ब्लॉक तत्व ।

आवर्ती वर्गीकरण--केवल दीर्घ रूप । आवर्त और इलेक्ट्रॉनिक विन्यास परमाणु अनुपात । आवर्तक और ग्रुपों में विद्युत नकारात्मकता ।

2. रासायनिक आबंधन, इलेक्ट्रॉनेट, कोबलेट, कोडिनेट, कोबेलेट बन्धन । जी० तथा एफ० बन्धनों के बन्धन गुण, जल, हाइड्रोजन, सल-फाईड, मिथेन और असोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार । मोलेक्यूलर सम्बन्ध तथा हाइड्रोजन आबंधन ।

3. रासायनिक अभिक्रिया में ऊर्जा परिवर्तन ऊष्मा उन्मोची और उष्मा शोषी । अभिक्रिया । ऊष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग । स्थिर उष्मा संकलन का हैस का नियम ।

4. रासायनिक संतुलन और अभिक्रिया की दरें । द्रव्यमान क्रिया का नियम । दबाव के प्रभाव । तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (सी चेटलियर के सिद्धान्त पर आधारित गुणात्मक अभिक्रिया) आणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं । संक्रमण की ऊर्जा परिकल्पना । असोनिया और सल्फर ट्राइआक्साइड निर्माण के लिये प्रयोग ।

5. विलयन वास्तविक विलयन, कोलोइड विलयन और स्थगन । तनु विलयनों के अणुसंख्य गुणधर्म और विलीन पदार्थों के अणु भार निश्चित करना । क्वाली विल्यूमें का अध्ययन । हिमांक अवसादन । आस्मेट दबाव । राउल्ट का नियम (केवल अनुभागवर्तकी अभिक्रिया) ।

6. विद्युत रसायन विज्ञान --विद्युत अपघट्य । विद्युत अपघटन का फेराडे नियम । आयनी सन्तुलन । घुलनशीलता उत्पाद । प्रबल तथा क्षीण अपघट्य अम्ल तथा बेस (मेक्सिल तथा ब्रोमस्टीड की परिकल्पना) । पी० एच० तथा उभय प्रतिरोधी विलयन ।

7. आक्सीकरण-अपचयन --आधुनिक इलेक्ट्रॉनिकी परिकल्पना और आक्सीकरण श्रृंखला ।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनात्मकता --नाभिकीय विखंडन और संलयन । विघटनात्मक समस्यावर्तकी के उपयोग ।

अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों की संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकी महत्वपूर्ण मिश्रण ।

1. हाइड्रोजन आवर्त तालिका में स्थिति । हाइड्रोजन का ममस्थानिक मृणात्मक तथा अनात्मक विद्युती । जल, कठोर तथा मृदुल जल; उद्योगों में जल का उपयोग । भारी पानी और इनके उपयोग ।

2. ग्रुप I तत्व । सोडियम हाइड्रोजेनाइड का विनिर्माण । सोडियम कार्बोनेट । सोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड ।

3. ग्रुप II तत्व । आशु तथा बुझा हुआ चूना । जिप्सम प्लास्टर आफ पेरिस । मैगनेशियम सल्फेट और मैगनीशिया ।

4. ग्रुप III तत्व । बोरकस, एलुमिया और एलम ।

5. ग्रुप IV तत्व । कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन । सिलिकेट, जोसिटिस तथा अर्द्धचुचालक । शीला (आरम्भिक अभिक्रिया) ।

6. ग्रुप V तत्व । प्रमोनियम और नाइट्रिक अम्ल का विनिर्माण गैल फास्फेट और निरापद दियास्ताई ।

7. ग्रुप VI तत्व । हाइड्रोजन पर आक्साइड संघक, सल्फ्यूरिक अम्ल की उपरूपता । गंधक के आक्साइड ।

8. ग्रुप VII तत्व । क्लोरिन क्लोरिन का विनिर्माण तथा उपयोग । ब्रोमीन और आयोडीन । हाइड्रोक्लोरिक अम्ल । क्लोबिंग पाउडर ।

9. ग्रुप O (उत्कृष्ट गैस) हीलियम और इसके उपयोग ।

10. धोयकमीय संसाधन -- तांबा, लोहा, एल्यूमिनियम, चान्दी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट संवर्धन के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियाँ । इन धातुओं का सर्वोत्कृष्ट मिश्रधातु; निकिल मैंगनीज, इत्यादि ।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्राहेड्रल स्वरूप । संकरण और जी० एम० बन्धन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति । एकल तथा बहु बन्धन । अणु का आकार । ज्यामितीय तथा प्रकीर्णय समायता ।

2. ऐलकेन, ऐलकीन और ऐल्कीलीन के तैयार करने के गुणधर्मों और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियाँ । पैट्रोलीयम और इनकी परिष्करण ईंधन के रूप में इसके उपयोग ।

एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन

अनुनाद और एरोमेटिकता । बेंजीन तथा नैफ्थालीन और उनके माध्य एरोमेटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ ।

3. हेलोजीन व्युत्पत्तियाँ, क्लोरोफार्म कार्बन, टेट्राक्लोराइड, क्लोरो-बैन्जीन--डी० डी० टी० और गैमेक्सीन ।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण : प्राथमिक, द्वितीय और तृतीय एल्कोहल मिथानाल, इथानाल, गलीसरोल और फिनॉल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग । एलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ ।

5. इथर : डाथाईल इथर

6. हलोजेनाइड और केटान्स : फार्मिलबीहाइड । एसीटलीडीहाइड । बेजलबीहाइड, एसोटीन, एसोटीफीनाल ।

7. नाइट्रा योशिक एमीन : नाइट्रोबैन्जीन । टी० एन० टी० । एनीलीन डाइजोनियम योशिक । एजोडाइड ।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोर्मिक, एसिटिक, बन्जोइक और सेली-सिल्लिक अम्ल, एसोटाइल सेलीसिल्लिक अम्ल ।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मियाइल, सेलीसिल्लेट, इथाइल बैन्जोर ।

10. पालीमर्स : पोलिथीन, टेजलान, पर्सपेक्स, कृत्रिम रबर, नायलन और पोलिस्टेर तन्तु ।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, वसा और लिपिड्स, एमोनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हार्मोन्स की असंरचनात्मक अभिक्रिया ।

गणित

बीजगणित

ग्रंथ प्रणाली--वास्तविक अंक । पूर्णांक । परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म ।

प्रारम्भिक अंक सिद्धान्त--विभाजन, हल्थोस्थिम विधि । अभाज्य और संयुक्त संख्याएँ गुणित तथा गुणनखण्ड । गुणनखंड प्रमेय । महत्तम समावर्तक और लघुतम समावर्त्य । यूक्लीडोम एल्गोथिम ।

लघुगणक और उनका प्रयोग

आधारी संक्रिया : सरल गुणनखंडन । बहुपदों का महत्तम समावर्तक, लघुतम समावर्त्य । द्विघाती समीकरणों का हल, इनके मूल और गुणक में सम्बन्ध ।

भाजक एल्गोथिम

सूचकों के नियम, ए० पी० जी० और जी० पी० ज्यामितीय श्रेणियाँ और इसका भावर्ती वंशमवल भिन्न में प्रयोग ।

क्रमचय और संयोजन । घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिये द्विपद प्रमेय । सन्निकटन के लिये परिमेय सूचकों के लिये द्विपद प्रमेय का प्रयोग ।

युगपत रैखिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनका हल । एक्स 1 एक्स 2 और एक्स 3 पर बाई के दिये हुए मूल्यों के लिए द्विघाती वक्र बाई=ए० बी० एक्स० सी० एक्स० 2 का संयोजन ।

युगपत रैखिक अन्विका (दो अज्ञात संख्याओं में) और उनका ग्राफ । 2×2 मैट्रिक्स और प्रारम्भिक संक्रिया । तत्समयक आव्यूह । 3 से अधिक क्रम का आव्यूह निश्चयन का विषय ।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल आकृति का क्षेत्रफल । घनों, पिरामिडों, लम्बवृत्तीय बेलनों के आयतन और घरतल--शंकु और गोलक ।

(उपर्युक्त अध्यायों से सम्बन्ध व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार यथोचित सूत्र दिये जायेंगे) ।

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में माप । त्रिकोणमितीय अनुपात । योग के सूत्र । कोणों के अपवर्त्य और अपवर्तकों के साइन, कोसाइन और टैजेंट । साइन, कोसाइन और टैजेंट की आवृत्ति और ग्राफ । सरल त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल ।

ऊँचाई और दूरी के सरल प्रश्न

विश्लेषिक ज्यामिति

समतल में रेखा की समीकरण । प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण । दो रेखाओं के बीच कोण । समानान्तर और लम्बीय रेखाएँ ।

दो सीधी रेखाओं की कार्टिसियन समीकरण ।

वृत्त का समीकरण । सामान्य समीकरण । वृत्त के स्पर्शी और सामान्य समीकरण । दो वृत्तों के मूलाक्ष । वृत्त-कुल ।

परवलय, दीर्घवृत्त और अतिपरवलय की मानक समीकरण । वक्र पर किसी बिन्दु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण ।

(जहाँ आयोग उचित समझेगा उम्मीदीकारों को 4 स्थान तक लोग-रथमिक तालिकाओं के प्रयोग को अनुमति दी जा सकती है) ।

गणित II

कलन (अवकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उनके ग्राफ । संयुक्त और व्युत्क्रम फलन । वास्तविक फलनों का बीजगणित । परिमेय और त्रिकोण-मितीय फलनों के उदाहरण और फल-फलन ।

सीमा धारणा और फलन और योगांतर का सातत्य, फलनों का उत्पत्ति और भागफल ।

किसी बिन्दु पर फलन का व्युत्पन्न । परिवर्तन की तात्त्विक दर के रूप में व्युत्पन्न और वक्र का ढाल ।

फलनों के योग, अन्तर, गुणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियाँ । संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियाँ । बहुपद फलनों, परिमेय, फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों की व्युत्पत्तियाँ ।

फलनों का आद्य और अनिश्चित पूर्णांक ।

सरल मामलों में आद्य की परिगणन--(सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और प्रक्षतः समेकन ।

यांक्षिकी (संविज पद्धतियों को अनुमति होगी) ।

स्थैतिकी : बल का निरूपण, बल अमानान्तर चतुर्भुज । बल का संयोजन और विभेदन । समदिश और विपरीत बल । घाघर्ण बलयुग्म । संतुलन के प्रतिबंधसंगामी बल और समतलीय बल (4 से अधिक नहीं) बल-विभुज ।

सरल पिंडों का गुरुत्व केन्द्र

कार्य और शक्ति । सरल यंत्र (सीवर, घिरनी तन्त्र, गियर) ।

गतिकी : कण का विस्थापन, गति वेग और त्वरण । सतत त्वरण के अन्तर्गत सीधी रेखा में गति । प्रक्षेपी से सम्बन्ध सरल प्रक्षेप । एक रस्सी से बन्धे दो द्रव्यमानों की गति । ऊर्जा विनियम ।

(जहां प्रायोग उचित समझा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लागू की प्रयोग की अनुमति दी सकती है) ।

भौतिकी परीक्षा—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों की बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके ।

व्यक्तिगत परीक्षा

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किया जायेगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अभिलेख होगा । उनसे सामान्य हित के मामलों से सम्बन्ध प्रश्न पूछे जायेंगे । उनके नेतृत्व, पहलुशक्ति और बौद्धिक उत्तुक्ता, व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति, व्यावहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यानिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिये विशेष ध्यान दिया जायेगा ।

परिशिष्ट II

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिये विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिये प्रकाशित किये जाते हैं । विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षकों और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है । किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिये गये नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उसको अनुमति देने का अधिकार होगा जिसके लिये बोर्ड इस प्राशय के निश्चित कारणों का उल्लेख करेगा कि प्रत्येक उम्मीदवार सरकार की शक्ति के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है ।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार की चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को प्रस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा ।

1. नियुक्ति के लिये स्वस्थ ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके नियुक्ति के साथ दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की भावना हो ।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, दण्ड और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मैथिलिक बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लायें । यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिये और उसकी हालत का एकसरे लेना चाहिए । ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष घोषित करेगा ।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिये कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार

नहीं किया जा सकता :-

	कद	छाती का घेरा	फैलाव
		(पूरा फैला कर)	
	मी०	मी०	मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152	84	5
महिला उम्मीदवारों के लिये	150	79	5

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाम्रो, गढ़वालियों, प्रसमियों, नागालैंड के आदिवासियों आदि, जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद कम से कम कद में छूट दी जा सकती है ।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जायेगा :-

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एङ्गियों के पाँवों के अंगुठों या किसी और हिस्से पर न पड़े । वह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा और उसकी एङ्गियाँ, पिंडलियाँ, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ सगे होंगे । उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (बैकवर्ड आफ़ वी हेड लेवल) हारिजेंटल बार (फ्राई छड़) के नीचे जाये । कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जायेगा ।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :-

उसे इस भाँति खड़ा किया जायेगा कि उसके पाँव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों । फीते को छाती के गिरे हुए तरफ लगाया जायेगा कि उसका ऊपरी किनारा भ्रमफलक (मोल्टर ब्लड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगल्स) के पीछे रहें और यह फीते को छाती के गिरे ने जाने पर उभी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहें । फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जायेगा । किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाये । तब उम्मीदवार को कई बार गहरी साँस लेने के लिये कहा जायेगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जायेगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा । जैसे 84-89, 86-93 आदि । माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (मैकशन) को नोट नहीं करना चाहिये ।

ध्यान दें—अन्तिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिये ।

5. उम्मीदवार का वजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा । प्राधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिये ।

6. उम्मीदवार की नजर की जाँच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी । प्रत्येक जाँच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा :-

(i) सामान्य (जनरल) --किसी रोग या असामान्यता (एबनार्मैलिटी) का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जायेगी । यदि उम्मीदवार की आँखों, पलकों प्रत्यक्ष साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुग्रेट स्ट्रेक्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिये अयोग्य बना सकता हो, तो उसको प्रस्वीकृत कर दिया जायेगा ।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्युइटी) --दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिये दो तरह की जाँच की जायेगी । एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये । प्रत्येक जाँच की प्रत्यक्ष परीक्षा की जायेगी ।

चरमे के बिना घ्रांख की मजर (नेकेड ग्राई बिजन) की कोई ग्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जायेगा क्योंकि इससे घ्रांख की हालत के बारे में मूलसूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण, से परीक्षा की जायेगी और उसकी दृष्टि सुतीक्ष्णता रेल बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थाई सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जायेगी।

ध्यान दें :- नीचे निर्धारित अपेक्षाओं के स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करेंगे, उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जायेगा।

चरमे के साथ और चरमे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्न-लिखित होगा :-

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/8 अथवा 6/9	6/12 अथवा 6/9	जे० I	जे० I

नोट (1) :

- मायोपिया (मिलेंडर सहित) कुल--4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिये।
- हाइपरमेट्रोपिया (मिलेंडर सहित) कुल--4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिये।
- मायोपिया फंडम के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक वशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाये।

नोट (2) :

कलर बिजन :

कलर बिजन की जाँच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिये, लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आमानो से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर बिजन है। कलर बिजन जाँच के लिये हथिहरा की प्लेटों और एड्रिज ग्रीन जैसी दोनों लैटर्न का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिये तो लैटर्न में एपेंडर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1 लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2 डारक (एपेंडर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3 उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

स्पेशल क्लास अग्रेडिसेज के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

नोट (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ बिजन) :- परीक्षा नेत्रांशों के लिये सम्मुख विधि कन्फेशन मैथड द्वारा यूनिट दृष्टि क्षेत्र की जाँच की जायेगी। जब ऐसी जाँच का नतीजा असंतोषजनक या संविग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिमापी (पैरोमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

नोट (4)

रतोंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) :- केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतोंधी की जाँच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतोंधी में दिखाई न देने को जाँच करने के लिये कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निर्धारित नहीं है। मैडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोगनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में साक 20 से 30 मिनट के बाद उसमें विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिये, किन्तु उन पर उचित जाना चाहिये।

नोट (5)

दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न घ्रांख की दशाएं (आक्युलर कंडीशन) :

- घ्रांख की घंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अवर्तन दृष्टि (प्रिफ्रेक्टव ऐरर), जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिये।
- भंगापना -- जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भंगापन अयोग्यता माना जायेगा वहाँ दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।
- एक घ्रांख वाला व्यक्ति -- एक घ्रांख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट (6)

कान्टैक्ट लेन्स -- चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेन्स प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि घ्रांख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रवीप्ति 15 फुट कौन्डल की प्रवीप्ति जती हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त को माथिल करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेकजीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :-

- 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।
- 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+ प्राथी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :- सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से वह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (फौजिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सेर और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जाँच और रक्त यूरिया निकाय (बिलयरेट) की जाँच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

श्लेष्म प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमतः पाँचे घण्टे दाबमापों (मर्क्युरी मैनोमीटर किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या खड़ा हो बसते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बाँह थोड़ी बहुत हॉरिजेंटल स्थिति में रोगी के पाखंड पर ही तथा उसके कंधे से कण्ठा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीज की रबड़ को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूट कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (बेकिंगल आर्बरी) की दबा-दबाकर बूझा जाता है और तब इसके ऊपर बीजों की स्टेटेस्कॉप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ स लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी रहती है और इसके बाद इनमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियाँ सुनाई पड़ने पर जिम स्तर पर पाँचे का कालम टिका होता है वह मिस्टॉलिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी सुप्त प्रायः हो जाएँ यह डायस्टॉलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये शोषकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि बोझा पड़नाल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं; दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इन "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूल की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के छोटक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के निवारण, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस बात के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह भ्रमधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इन केस को मेडिकल के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधायें हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लैबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रभव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिये उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित प्रतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) का द्विपरिण

एव के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इन आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बसते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, नार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', तार यातायात सेवा ग्रुप 'ख', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :

- (i) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरा- स्पेशल क्लाम अर्पेटिसेज पदों पर पत, दूसरा कान सामान्य होगा। नियुक्ति के लिये अयोग्य।
- (ii) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष स्पेशल क्लाम अर्पेटिसेज पदों पर बोध, जिनमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। नियुक्ति के लिये अयोग्य।
- (iii) सैन्टल अथवा माजिनल टाइप के कर्ण पट्ट का कोई छिद्र ठीक न हो टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र। तो अयोग्य किन्तु विश्वन दाब का निशान अयोग्यता का कारण नहीं माना जाएगा।
- (iv) कान के एक और दोनों और से मस्टाइड कैविटी से सुबनामल श्रवण। स्पेशल क्लाम अर्पेटिसेज के पदों के लिए अयोग्य।
- (v) बढ़ते रहने वाला कान आपरेणन तकनीकी और गैर तकनीकी पदों के किया गया बिना आपरेणन किया लिए अस्थायी रूप से अयोग्य। गया।
- (vi) नामाष्ट की हठी संबंधी विस्थि- (i) प्रत्येक मामले की परि- ताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित स्मृतियों के अनुसार निर्णय अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण लिया जाएगा। प्रवाहक/अलजिक दशा। (ii) यदि जलक्षणों सहित नामाष्ट अफमरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (vii) टॉमिल और/अथवा स्वर यंत्र (सूरिक्स) की जीर्ण प्रवाहक दशा। (i) टॉमिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य। (ii) यदि आवाज में अत्यधिक कंकशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (viii) कान/नाक/गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर पूर्वव द्युमर। (i) हल्का द्युमर—अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) पूर्वव द्युमर अयोग्य श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेणन के बाद 30 डेसीबेल श्रवणता के अन्तर होने पर योग्य।
- (ix) आस्टोसिलरोसिस स्पेशल क्लाम अर्पेटिसेज पदों के लिए अयोग्य।
- (x) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष। (i) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- (xi) नेजल पोलि अस्थायी रूप में अयोग्य।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दाँत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर तकली दाँत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दाँतों को ठीक समझा जाएगा)।

- (ब) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती का फीफेलरी है या नहीं तथा उसका श्वस या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (क) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रपचर है या नहीं।
- (छ) उसे हाईड्रोसील, बड़ी हुई बेरिफोमिल, बेरिकाजशिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकसन अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किमी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संवारी (कम्युनिजेबल) रोग है या नहीं।

11. विल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, उसी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्सरे-परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयुटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना या नहीं।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—चाहे बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर तत्पुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दुपरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय संबंधी त्रुटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक उसमें सम्बद्ध चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

मेडिकल बोर्ड और उनकी रिपोर्टें

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति की पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अक्वाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तस्सी नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वाइली इन फॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न अधिकतर से ही उठता ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उम हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में नियोजित किया जाएगा।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्टें की गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार नियुक्ति अधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत ध्यान नहीं दिया जा सकता।

2. ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (घोषघ या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ सगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की और उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

!(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैसी जातियों नागालैण्ड आदिमजाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिसका प्रोक्त कब वृत्तों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी बेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, विल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रनेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) कबरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्बलता, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

5. आपको बेचक या टीका आखिरी बार कब लगा था?

6. क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कन्जम्प्शन सीरोफला गाउट, दमा, वीरे, अपस्मार या पागलपन का शिकार हुआ है?

7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसम की अधीरता (नर्वसनेस) हुई?

8. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
यदि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?
10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हाँ में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।
11. परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था?
12. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?
13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अवस्था आपको मालूम हो—
- मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर -----
मेरे सामने हस्ताक्षर किए -----
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर -----

नोट :—उपयुक्त कथन की यथावस्था के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति हो भी जाए तो कार्यक्षम निवृत्ति भत्ता (सुपरग्रुएण्ड) पलाउंस या उपदान (ग्रीन्वुड) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ब) [-----] (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें :

1. सामान्य विकास : प्रचण्ड ----- बीच का ----- कम -----
पोषण : पतला ----- (घोसल) -----
मोटा ----- कम : (जुते उभारकर) ----- बज्र -----
अत्युत्तम बज्र ----- कम था ? ----- बज्र -----
में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन -----
तापमान -----
छाती का घेर -----

- (1) पूरा सांस खींचने पर -----
(2) पूरा सांस निकालने पर -----
2. त्वचा :—कोई जाहिरा बीमारी -----
3. नेत्र :—
(1) कोई बीमारी -----
(2) रतौंधी -----
(3) कलर बिजन का दोष -----

- (4) दृष्टि क्षेत्र (फोल्ड आफ़ बिजन) -----
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटी) -----
(6) फंडम की जांच -----

दृष्टि की तीक्ष्णता ----- चरम के बिना चरम से चरम की पावर स्पी० मिलि एक्सिस

दूर की नजर ----- दा० ने० -----
बा० ने० -----

पास की नजर ----- दा० ने० -----
बा० ने० -----

हाईपरमेट्रोपिया (व्यक्त) ----- दा० ने० -----
बा० ने० -----

4. कान : निरीक्षण ----- सुनना ----- बायाँ कान -----
बायाँ कान -----

5. ग्रंथियाँ ----- थाइराइड -----
6. दांतों की हालत -----
7. श्वसन तंत्र (रास्परेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के ग्रंथों में किसी अपसामान्यता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो पूरा ब्यौरे दें-----

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)
(क) त्वयः कोई आंगिक विक्षत (आर्गनिक लीजन) -----
गति (रेट) : -----
बड़े होने पर -----
25 बार कुबाए जाने के बाद -----
कुबाए जाने के 2 मिनट बाद -----
ब्लड प्रेशर ----- सिस्टोलिक -----
डायस्टोलिक -----

9. उच्च (पेट) बेरा ----- स्पर्श सहायता -----
हानियाँ -----
(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर -----
सिल्ली ----- गुद -----
दुमर -----
(ख) स्क्वाश -----
भ्रंश -----

10. तंत्रिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तंत्रिका या मायनिक अपसामान्यता का संकेत -----

11. वायु तंत्र (स्कोलोमेटर सिस्टम) कोई अपसामान्यता -----

12. जघन सूत्र तंत्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम) :—हाइड्रोलीम, बैरिकोसीस आदि का कोई संकेत :

मूत्र परीक्षा :—
(क) कैसा दिखाई पड़ता है?
(ख) अपेक्षित गुणवत्ता (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
(ग) एल्बमिन
(घ) शर्करा
(ङ) काल्डस
(च) क्रोमिफाए (ब्लड)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्टें

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इन सेवा को ह्यूटी की दक्षतापूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है ?

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 मन्ताह अथवा उससे अधिक समय में गतिशील है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाता चाहिए, देखें विनियम 9।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिये जाने के बाद कितन सेवाओं में कार्य के दक्ष सन्तन निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और कितन सेवाओं के लिये यह अयोग्य पाया गया है।

स्थान-----

तारीख-----अध्यक्ष-----

गदस्य-----

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गये स्पेशल क्लाम अप्रेंटिसों हेतु अप्रेंटिसशिप के शर्तें

अप्रेंटिसशिप की शर्तों का उल्लेख इण्डियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट मैनुअल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा। इसका संक्षिप्त व्योम निम्न प्रकार है:

1. स्पेशल क्लाम रेलवे अप्रेंटिस के रूप में नियुक्त के लिये प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का करार करना होगा कि सरकार की संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लाम रेलवे अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा करने पर असफल रहने पर या यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिये वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक पृथक रूप में बाध्य होंगे। सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा।

अप्रेंटिस की शुरु में एक चार-वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक असंबन्ध पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेल में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रेंटिसशिप एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष तभी चालू रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रेंटिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है या उसे अप्रेंटिसशिप से अलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकते हैं।

2. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लाम अप्रेंटिसों को इस अवधि के दौरान या तो काउन्सिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन एग्जामिनेशन (सर्वन) का भाग 1 और 2 या इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियरिंग (इडिया) एग्जामिनेशन की एसोसिएट मेम्बरशिप वा सेवशन 'ए' और 'बी' अवसर पास करना चाहिए। अप्रेंटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 350/- रु० प्र० मा० छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान 400/- रु० प्र० मा० छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रेंटिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। समें कुल छः सेमीस्टर परीक्षाएं होंगी, जिनमें से प्रत्येक को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उन्हें निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले निम्नले बैच में चले जाने को या अप्रेंटिसशिप से हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी—मिथाए, जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनधीनता असंयम या अन्य कवाचार का बोधी पाया जाता है, या कोई करार भंग कर दिया जाता है, अप्रेंटिसशिप से हटाने के लिये एक मन्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण का चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रेंटिसों की एक सूची तैयार की गई परीक्षा या अप्रेंटिसशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर योग्यता क्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रेंटिस यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परीक्षा पर नियुक्त किए जायेंगे।

ध्यान दें—किसी भी प्रशिक्षु को अर्हक स्तर की योग्यता से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सेमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सेमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उनकी प्रशिक्षुता असफल रही, प्रशिक्षुता से निवर्तित कर दिया जाएगा।

5. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट IV में नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रेंटिसों को यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा में परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

परिशिष्ट IV

यांत्रिकी इंजीनियरों का भारतीय रेलवे सेवा से संबंधित विवरण

1. परीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परीक्षकों के रूप में नियुक्त और वेतन का आरम्भ (क) अप्रेंटिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ख) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से, जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल क्लाम अप्रेंटिसेज का, जो अपने अप्रेंटिसशिप के 4 वर्ष के भीतर ए० एम० आई० ई० (लन्दन) के भाग 1 और 2 ए० एम० आई० ई० (इडिया) के भाग ए और बी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट (1) परीक्षकों को सेवा में बतौर रखने और उनका वार्षिक वेतन वृद्धि स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परीक्षकों की सेवायें समाप्त की जा सकती हैं।

2. परीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनकी एक या अनेक भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिये भेजा जाएगा जिसके लिये एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय समय पर संशोधित भी हो सकती है। परीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राथमिक महाविद्यालय में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिये भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक वसा के बाद मौखिक परीक्षा होगी और वी साल पूरा होने के बाद इस अवधि में परीक्षकों को दिये गये प्रशिक्षण पर एक लिखित

परीक्षा होगी जो मुख्य यांत्रिकी अभियन्ता और जिस रेलवे में परीक्षा की नियुक्ति होती है, यहाँ के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी इसमें अर्हता प्राप्त करने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परीक्षा की अवधि में उनको रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें दुबारा बैठने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी जब तक कुछ आपाधिक परिस्थितियाँ न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छुट की उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों, उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी परीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसके विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन, सामान्य और आनुवंशिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों में काम कराने का कौशल तथा परीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सँपे कार्य या कार्यों से उनकी अनुपयुक्तता। उनकी इन विभागीय परीक्षा में परीक्षा के दूसरे साल के अन्तर-अन्तर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन वृद्धि रुकवा दी जाती है। निम्न अवधि के अन्तर किसी या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस वक्ता में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परीक्षा अवधि के बावजूद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद के वेतनवृद्धियों की प्राप्ति समय समय पर प्रवर्तित नियमों और आदेशों के अनुसार नियंत्रित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ आपाधिक परिस्थितियाँ न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छुट उपयुक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें: सरकार, अपने निर्णय से, किसी भी कार्यभारी पद की प्रशिक्षण-अवधि और परीक्षा-अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त न होने पर प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परीक्षाधीन अधिकारियों को वेतनागिरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के द्वारा आयोजित हिन्दी प्रयोग या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है तब उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसका वेतन सामयिक वेतनमान में रु० 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद की परीक्षा के आधार पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा में या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद, पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उम्र व्यक्ति को—

(क) परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी:—

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और

(ख) राज्य रेलवे गैर-अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे—

ऐसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्य-भार ग्रहण करते हैं, लागू हैं।

7. परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतनवृद्धि देय सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल के अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूर्ण सेवा के लिए, उसी रेल में नये रहेंगे जहाँ उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरी रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्त अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दर ग्राह्य है:—

कनिष्ठ वेतनमान : रु० 700-40-900-द० री०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान : रु० 1100 (छटा वर्ष या कम)-50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : (i) रु० 2250-125/2-2500

(ii) रु० 2500-125/2-2750।

टिप्पणी:—(1) परीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका वेतन 740.00 रु० प्र० मा० से 780.00 प्र० मा० तक बढ़ाया जाए उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2—यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्ष और परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं तो रु० 740.00 से रु० 780.00 तक की वृद्धि रोक दी जाएगी। जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनका वेतन जिस तारीख को अन्तिम परीक्षा समाप्त होती है। उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अवस्था प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतनवृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन वृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिये और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संवीकृत स्थापना में रिक्तिता होने पर ही होती है और पूरी तरह चयन पर आधारित होती है। केवल बरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रकट नहीं करती है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 17th January 1980

No. 9-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and rank of the officer

Shri Vajesingh Kalubava Rana,
Unarmed Police Constable,
Baroda City,
Gujarat.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 25th July, 1978, Shri Vajesingh Kalubava Rana, Unarmed Police Constable, Baroda City received information that habitual and notorious cabin thieves, Chandu Ishwar Satyanarayan Hanva Kahar, Dilip Ganpat and others were taking shelter in Tulsiwadi area. Without loss of time and accompanied by two more constables, Shri Rana reached the Tulsiwadi area at 0500 hours and started routine investigations. On seeing the police, the suspects fled but Shri Rana warned them not to move. The suspects gheraoed and then isolated Shri Rana from his colleagues and tried to escape. Shri Rana started chasing them but one of them Satyanarayan Hanva Kahar surreptitiously took out a 'Rampuri' knife and stabbed Shri Rana in the stomach four or five times. The culprits then escaped but four of them were subsequently apprehended by the police. Shri Rana was rushed to the hospital. He recovered after prolonged treatment.

In the encounter Shri Vajesingh Kalubava Rana showed exemplary courage, gallantry and devotion to duty in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th July, 1978.

No. 10-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Suraj Prasad Pandey,
Sub-Inspector of Police,
Deoria,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 2nd April, 1976, at about 1900 hours, Sub Inspector Suraj Prasad Pandey received information that the gang of dacoit Tara was likely to commit dacoity in the house of Dr. Bansraj in Murar Chhaper village of Deoria District. Shri Pandey collected the available Police force immediately and also some local gun licensees to assist him. Shri Pandey then rushed to Murar Chhaper village and after assessing the situation divided the police party and deployed them suitably. At about 2200 hours, 11 dacoits assembled together. Shri Pandey challenged the dacoits and called on them to surrender. He also fired several rounds from his Very Light Pistol to light up the area. In disregard of the warning, the dacoits fired on the police party. Shri Pandey was injured but without caring for his injury, he ordered his men to open fire on the dacoits. Because of this determined action three dacoits including the leader of the gang, Tara were shot dead. The remaining dacoits made good their escape. One DBBL gun, 3 country-made pistols, a hand grenade and a large quantity

of ammunition were recovered. During the encounter, Shri Pandey was hit by as many as 19 pellets in various parts of his body.

In this encounter Shri Suraj Prasad Pandey exhibited conspicuous gallantry, courage, initiative and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd April, 1976.

No. 11-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and rank of the officer

Shri Shivshanker Manilal Dudhwala,
Unarmed Police Constable,
B. No. 1087,
Surat,
Gujarat.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 28th August, 1978, at about 12.45 hours, two suspects entered the Bombay House Apartment at Surat, broke open the staple of flat No. 805 and also opened the lock of flat No. 806. In the meantime, the owner of the latter flat came and apprehended one of the suspects. The other suspect got his companion in crime release on pistol point and ran away. The liftman of the apartment challenged and chased them but one of the suspects fired at him. The public also gathered near the apartment but the suspects managed to escape. On 11th November, 1978, while Shri Shivshanker Manilal Dudhwala was going to the Salabatpura area in Surat to serve summons, he saw one of the suspects involved in the above robbery case. The suspect pointed his revolver at Shri Shivshanker Manilal Dudhwala but he was not deterred and in disregard of his personal safety, grappled and overpowered him.

In this action Shri Shivshanker Manilal Dudhwala exhibited conspicuous gallantry and courage in arresting the suspects.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th November, 1978.

No. 12-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers :

Shri K. K. Mukandan,
Constable No. 710570947,
22nd Battalion,

Central Reserve Police Force.
Shri Gurcharan Singh,
Constable No. 670223627,
22nd Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 23rd May, 1979, 21 under-trials belonging to the hard-core Mizo National Front were being taken in a jail van to the Aijal Courts. At about 11.15 A.M. when the van slowed down to negotiate the turn in Bara Bazar, near Dawrpui Church, on a pre-arranged signal in the Mizo language, all the under-trials threw red-chilly-powder in the

eyes of the escort party thus incapacitating them temporarily. The under-trial prisoners dragged two of the constables into the prisoners' compartment and took away their loaded rifles. They started firing on the members of the escort party as a result of which one of the constables of the Mizoram Police was killed on the spot and four Central Reserve Police Force personnel were grievously injured. Constables K. K. Mukandan and Gurcharan Singh, in disregard of the imminent risk to their lives, jumped out of the van and took up positions. One of the Constables, named, Shri Milkha Singh rushed to inform the police/jail authorities. Shri Mukandan and Shri Gurcharan Singh fired at the under-trial prisoners in a controlled manner so that their fire did not kill their own colleagues. The two Central Reserve Police Force personnel kept the under-trials engaged till reinforcements arrived. The under-trial prisoners were disarmed and taken into custody.

In this action Shri K. K. Mukandan and Shri Gurcharan Singh, Constables exhibited courage of the highest order, commendable presence of mind and devotion to duty and bravery at the risk of their own lives.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd May, 1979.

No. 13-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and rank of the officer

Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar, (Deceased)
Unarmed Police Constable,
B. No. 3988,
Ahmedabad City,
Gujarat.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the night of 2nd/3rd March, 1979, Unarmed Police Constable Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar, along with two other constables were patrolling their beat on bicycles. When they came near the Gopalkunj Society at about 1.30 A.M. they saw three persons coming on two cycles from the opposite side. On being challenged, these persons took to their heels. The police constables chased them and overtook them. All the three suspects were found to be armed with lethal weapons, but in disregard of this fact the three police constables grappled with them. Jitendrasingh Kishansing, who was a notorious criminal with five previous convictions, took out a Rampuri Knife, stabbed Constable Fatehsingh Bhupataji in his chest and also injured the other two constables. In complete disregard of the injuries sustained by them all the three constables continued to grapple with the armed criminals and overpowered them. The part played by Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar in arresting these dangerous and armed criminals is particularly praiseworthy. After the criminals had been arrested, Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar fell down because of loss of blood from his wounds and was removed to the hospital where he succumbed to his injuries.

In this action Shri Fatehsingh Bhupataji Parmar exhibited conspicuous gallantry, courage and sacrificed his own life at the altar of duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd March, 1979.

No. 14-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Delhi Police :—

Name and rank of the officer

Shri Satpal Singh,
Assistant Sub Inspector of Police,
(now Sub Inspector of Police),
Central District Special Squad,
Delhi.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 5th March, 1979, information was received by the Central Special Squad of the Delhi Police that certain notorious criminals had demanded a ransom of Rs. 25,000 and that the party concerned had agreed to pay them Rs. 10,000 at the Moti Mahal Delux Restaurant in South Extension, New Delhi. A raiding party in charge of Shri Om Dutt, Inspector was deputed to apprehend the criminals. At about 7.00 P.M., one of the criminals came on a two-wheeler scooter and approached the party with a view to obtaining the ransom amount. The party signalled to the policy party and the criminal was apprehended. On the basis of information provided by him, the Inspector-in-charge of the raiding party proceeded to Greater Kailash, where the other members of the gang were understood to be hiding. He left behind Shri Gian Chand, Inspector of Police and Shri Satpal Singh, Assistant Sub-Inspector of Police along with two Head Constables. After about 20 minutes, another criminal came to the restaurant and enquired if Charan Singh had been taken away by the police. On hearing this, Shri Gian Chand, Inspector and a Head Constable caught hold of the new-comer who was later on recognised as Nagra, a known racketeer. On being caught by the Police, Nagra shouted to his accomplices who were waiting in a car outside to fire at the police party as he had also been caught. A person then came out of the car and started firing indiscriminately with a .303 rifle towards the restaurant. Apprehending danger, Inspector Gian Chand and Head Constable Jagtar Singh took the criminal inside the restaurant leaving behind Shri Satpal Singh who was left alone. Shri Satpal Singh who was sitting in a car, then asked the driver of his car to park it by the side of the car in which the other 3 criminals were sitting and firing recklessly on the assembled crowd and nearby buildings in order to get their colleagues released. After positioning his car near the car with the criminals, Shri Satpal Singh asked the criminals to surrender. The criminals however started firing at Shri Satpal Singh. The bullets hit the window screen of the car and damaged it. Thereafter one of the criminals who was firing at the restaurant also got into the car and started firing at Shri Satpal Singh. Undeterred Shri Satpal Singh fired three rounds from his revolver. He thereafter took position at the back of the car and fired three more rounds, without regard to his danger. Shri Satpal Singh then changed his tactical position and took up a position behind a pillar of the building and shouted to the criminals. One of the criminals again came out of the car and started firing. In the meantime one of the criminals, namely, Nagra who had been caught by the police managed to free himself and came into the car. The car with the criminals then drove away. Shri Satpal Singh chased them and fired at the fleeing car. Shri Satpal Singh continued to chase the car upto the Ring Road-Mehrauli Road-Crossing but due to the rush of the vehicles and darkness the car escaped. Next morning the dead body of one of the criminals involved in the incident namely, Rajbir Singh was recovered from the abandoned car near village Chiragh Delhi.

In this encounter with the notorious criminals, Assistant Sub Inspector Satpal Singh exhibited conspicuous gallantry initiative and extreme devotion to duty at the risk of his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th March, 1979.

No. 15-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and ranks of the officers

Shri R. N. Pandey, Deputy Superintendent of Police, Etah, Uttar Pradesh.	(Deceased)
Shri Mohan Lal Gautam, Head Constable No. 13, Civil Police, District Etah, Uttar Pradesh.	(Deceased)
Shri Ram Dass, Constable, 81 Armed Police, District Budaun, Uttar Pradesh.	(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the morning of the 9th January, 1978, Shri Mohan Lal Gautam, Head Constable, incharge of the Qadarganj Police Outpost, Sikanderpur Vaish in Etah district received information that dacoit Bhagwan Singh Kachhi, who was wanted in a number of cases of dacoity and murder, had committed three dacoities, two on the night of the 8/9th January, 1978, and the third at Ganga Ghat at about 6.00 on the morning of the 9th January, 1978. Shri Gautam collected the available police force and some of the arms licencees of the area and rushed to Ganga Ghat. He also sent information to the Superintendent of Police Etah. Before the arrival of Shri Gautam, however the gang had already crossed the Ganges and had entered Budaun District. Shri Mohan Lal Gautam crossed the river along with his men in pursuit. The police party came across the dacoit gang in the 'Katori' of the river where an exchange of fire took place between the police and the desperadoes. The dacoits divided themselves into two parties, one of whom re-entered Etah District after crossing the river while the other party was chased by Shri Ram Dass, an Armed Police Guard. The Gang which had escaped towards Budaun entered a sugarcane field near Nagla Pachauri village. The police party led by Constable Ram Dass with the help of the villagers surrounded the field and called upon the dacoits to surrender. The dacoits however started firing on the police party. In the exchange of fire, which ensued, Shri Ram Dass shot dead one of the dacoits. Thereafter, there was a lull in the firing by the dacoits. Shri Ram Dass along with some members of the Police party challenged the dacoits and in disregard of his personal safety advanced towards the sugarcane field and at the same time asked the dacoits to surrender. He located the dacoits and was about to shoot them but was hit by the fire opened by the dacoits and fell down dead. In the meantime, reinforcements in charge of Shri R. N. Pandey, Deputy Superintendent of Police reached Nagla Pachauri village in Budaun district. As this was hope that Shri Ram Dass might be still alive, Shri R. N. Pandey, who was leading the reinforcements entered the sugarcane field to bring back Constable Ram Dass and his rifle. Shri Pandey was able to reach Constable Ram Dass but found him dead. He brought the body of Shri Ram Dass along with his rifle out of the sugarcane field. Shri Pandey re-entered the sugarcane field along with the police party in order to apprehend the dacoits. When challenged by Shri Pandey the dacoits opened indiscriminate fire on the police party. Shri Pandey was hit by a bullet and died on the spot. One of the dacoits was apprehended. In the meantime, after crossing river Head

Constable Mohan Lal Gautam, who had been chasing the dacoits, divided the police party into two groups, one headed by Shri Gautam pursued the dacoits from the southern direction while the other party pursued them from the northern side. They overtook the dacoits near Bamanpura village and challenged them. Shri Gautam called on the dacoits to surrender but the dacoits opened fire on the police party. During the exchange of fire, Shri Gautam exposed himself to grave danger a number of times. He was hit several times as a result of which at about 12.00 hours he fell down and died on the spot. The dacoits fled but later on, two of them were apprehended.

In this encounter Shri R. N. Pandey, Deputy Superintendent of Police; Shri Mohan Lal Gautam, Head Constable and Shri Ram Dass, Constable exhibited conspicuous gallantry, exceptional courage, initiative and devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 9th January, 1978.

K. C. MADAPPA, Secy.
to the President.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 27th December 1979

RESOLUTION

F. No. A-11013/194/79-Ad.IV.—In partial modification of the orders contained in Para 4 of the Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV, dated 28-9-1978, Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV, dated 26-3-1979 and Resolution No. A-11013/181/77-Ad.IV, dated 23-8-1979, the Government of India have allowed extension of time upto the end of March 1980 to the Central Excise Sugar Rebate Scheme (Review) Committee to submit its report.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

R. D. SHARMA, Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPTT. OF AGRICULTURE & COOPERATION)

New Delhi, the December 1979

No. 14013/1/77-FR.—The Government of India have decided to wind up the "Suratgarh Farm Investment Evaluation Committee" with effect from the after-noon of 30th November 1979. The Committee was set up vide this Ministry's Resolution No. 11-33/68-FR (Vol. II), dated the 31st July 1976 and have submitted its report to the Government of India on 21-11-1979.

M. D. ASTHANA, Dy. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 26th January 1980

No. 79/E(GR)I/1/7.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1980 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists) (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who come over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1980, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1960, and not later than 1st January, 1964.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East

Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed areas and released as a consequence thereof, who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or
- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education, or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary Examination or the Pre-University or equivalent Examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year Examination is conducted by a University or;

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University approved by the Government of India; or
- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (f) must have passed in the first year examination under the five year Engineering Degree Course of a University, provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 5th September, 1980.

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to

the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

K. BALACHANDRAN,
Secy. Railway Board.

APPENDIX I

(SEE Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan:

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below:

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks. (Vide Rule 12).

4-421GT/78

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows—

Sl. No.	Subject	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	2 Hours	100
2.	General Knowledge	2 Hours	100
3.	Physics	2 Hours	100
4.	Chemistry	2 Hours	100
5.	Mathematics I— (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	2 Hours	100
6.	Mathematics II— (Calculus-Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics)	2 Hours	100
7.	Psychological Test	1 Hour	100
Total			700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

SCHEDULE

ENGLISH.—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plants, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons, Climate, Weather. Soil—its formation, erosion, Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars; Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gundharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—democracy, Secularism, socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government—Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system: the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition; social control—reward and punishment, art, law, custom, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Castelism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

PHYSICS

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force: couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force: Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat: thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms; deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and Voltmeters; Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solinoid electromagnet; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY*Physical Chemistry*

1. Atomic structure: Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle, s, p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding: Electro-valent covalent, Coordinate covalent bonds. Bond Properties σ and π bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction: Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure. Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions: True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points Depression of freezing point. Osmotic Pressure. Raoult's law (Nonthermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry: Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis. Ionic equilibria. Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronstead's concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity: Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds.

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.
2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.
3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.
4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.
5. Group IV Elements. Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolitis semi-conductors. Glass (Elementary treatment).
6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.
7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of Sulphur.
8. Group VII Elements. Manufacture and uses of fluorine, chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.
9. Group 0. (Noble gases) Helium and its uses.
10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals; Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and σ , π bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.
2. General methods of preparation, properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.
- Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.
3. Halogen derivatives : Chloroform Carbon Tetrachloride, Chlorobenzene D.D.T. and DDT.
4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols, Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.
5. Ethers : Diethyl ether.
6. Aldehydes and Ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benzaldehyde, acetone, acetophenone.
7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds. Azodyes.
8. Carboxylic acids : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids acetyl salicylic acid.
9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.
10. Polymers : Polythene, Tejlod, Perspex, Artificial Rubber, Nylon, and polyester fibres.
11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Fats and lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

*MATHEMATICS I**Algebra*

Number Systems—Natural numbers. Integers. Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors. Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors. H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutations and Combinations. Binomial Theorem for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions Fitting of a quadratic curve $y=a+bx+cx^2$ for given values of y at x_1 , x_2 and x_3 .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs. 2×2 Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary).

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission).

*MATHEMATICS II**Calculus (Differential and Integral)*

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivatives of sum, difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1-1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces Composition and resolution of forces, Like and unlike parallel forces. Moments, couples Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission).

Psychological Test. The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATIONS OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigations and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will

be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fraction of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates	6/6	6/12		
below 35 years	or	or		
of age	6/9	6/9	J I	J II

NOTE : (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed — 4.00D.

(b) Total Hypermetropia, (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

(c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the results should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and

without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidates	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm	13 mm.
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness :

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- Squint. The presence of binocular vision is essential. Squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- One eyed person.—One eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. Blood Pressure :

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably, at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required, they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation but without the use of Hearing Aid, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The

following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

- | | |
|---|---|
| (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | Any unhealed Perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification. |
| (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated. | Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit. |
| (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. |
| (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
(ii) Malignant tumours—Unfit. |
| (ix) Otosclerosis | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (x) Congenital defects of ear, nose or throat | (i) If not interfering with functions—Fit.
(ii) Stuttering of severe degree—Unfit. |
| (xi) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound) ;
- (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he/she is not ruptured;
- (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;
- (i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he/she is free from communicable disease,

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical board.

Medical Board and their report.

The following intimations is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension of payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....

2. State your age and birth place

.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

.....

4. (a) Have you ever had smallpox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung, fainting attacks, rheumatism appendicitis?

.....

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

.....

5. When were you last vaccinated?

.....

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption scrofula, gout, asthma, fits, epilepsy, or insanity

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause?

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	---	---	---

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	--

9. Have you been examined by a Medical Board before?

10. If answer to the above is yes, please state what Service/services you were examined for?

11. Who was the examining authority?

12. When and where was the Medical Board held?

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.....

Signature of Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development : Good.....
 Fair..... Poor.....
 Nutrition : Thinaverage.....
 obese.....
 Height (without shoes)
 Weight Best Weight
 When ?Any recent change
 in weight ?
 Temperature

Girth of Chest :—

- (1) (After full inspiration)

- (2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
 (2) Night blindness
 (3) Defect in colour Vision
 (4) Field of vision
 (5) Visual Acuity
 (6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.				
Near vision	R.E. L.E.				
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.				

4. Ears : Inspection.....Hearing.....
-
- Right Ear.....Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

.....

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

- (a) Heart : Any organic lesions ?
 Rate : Standing
 After hopping 25 times
 2 minutes after hopping

Blood pressure;

Diastolic :

Systolic :

**9. Abdomen Girth Tenderness
 Hernia**

- (a) Palpable : Liver
 Splcen..... Kidneys.....
 Tumours

- (b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities,**11. Loco Motor System : Any Abnormality****12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc.**

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance (b) Sp. Gr.
 (c) Albumen
 (d) Sugar (e) Casts
 (f) Cells

13. Report of X-ray examination of Chest.**14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?**

Note :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

APPENDIX III**Conditions of Apprenticeship for Special Class****Apprentices Selected through this Examination**

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him, to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by the Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from

the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE.—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the Council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will, depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE.—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE.—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a minimum 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV**PARTICULARS REGARDING THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS**

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later.

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE.—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examinations within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended to failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption, can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required by liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any—

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationer;

- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and
(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600/-.

Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500, (ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training, their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotions to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

